विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **बाँधेली का सौभाग्य**

लौकिक बन्धन की डोरी का खेल बड़ा निराला
कड़ा बन्धन होकर भी ये बाप से जोड़ने वाला

बाँधेली हो या बाँधेला सभी कर्म बन्धन चुकाते
झूम झूमकर अपने बाबा की यादों के गीत गाते

दिखता नहीं वो नयनों से लेकिन याद वो आता
गोपियों का समय उसी की याद में गुजर जाता

घर गृहस्थी में रहकर जो खुद को पवित्र बनाते
अतीन्द्रिय सुख में रहकर वो सेवा का फल पाते

भाग्यवान बनाने वाले इस जीवन की बलिहारी
विकारी कुल की मर्यादाएं भस्म हुई इसमें सारी

परमात्मा की आज्ञा पर खुद को पावन बनाया
हर बाँधेली गोपी ने 21 जन्मों का भाग्य पाया।

*ॐ शांति ।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->